पावटा प्रागपुरा पालिका की बैठक का पार्षदों ने बहिष्कार किया

पार्षदों ने चेयरमैन व अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाया

पावटा (निसं)। 23 जनवरी 2023 बाद गुरुवार को विधायक कुलदीप धनकड, उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय, चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा द्वारा बुलाई गई नगर पालिका पावटा प्रागपुरा की बैठक का पार्षदों ने पालिका प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया।

पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर नारेबाजी की।

■ 23 जनवरी 2023 के बाद गुरुवार को बुलाई गई थी पालिका की बैठक

नगरपालिका वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह ने कहा कि गुरुवार को आयोजित बैठक का पार्षदों ने बहिष्कार किया है। पार्षदों ने नगरपालिका के चेयरमैन व अधिकारियों पर मनमर्जी से कार्य करने का आरोप लगाया। पार्षदों ने कहा कि इसके चलते शहर में विकास कार्य ठप हो रहा है। पार्षदों ने कहा कि 23 जनवरी 2023 के बाद यह बैठक बुलाई गई है। इससे साफ जाहिर होता है कि चेयरमैन व अधिकारी विकास को लेकर गंभीर नहीं हैं। पालिका क्षेत्र में सभी विकास कार्य ठप पड़े हैं। मगर इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है अगर जिम्मेदारी लेगा तो कौन लेगा। पार्षदों को 15 महीनों से मानदेय नहीं दिया गया है। पट्टे देने में पक्षपात किया जा रहा है। जिस कर्मचारी को ईओ के फर्जी सिग्नेचर करने पर हटाया गया था उसे पुनः पालिका में लगा दिया गया है जिसे हटाया जाए। जिन कामों में नगरपालिका में भ्रष्टाचार हुआ था व पार्षदों ने धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन भी सौंपा था, उन पर कार्यवाही की जाए। वही चेयरमैन, अधिकारियों द्वारा पार्षदों का मान-सम्मान नहीं किया जाता है।

पार्षदों ने बताया कि नगरपालिका की बैठक में रखे गए एजेंडे पर काम ही नहीं होता है। इसके कारण बैठक में जाने का कोई भी फायदा नहीं है। नगरपालिका अध्यक्ष की मनमानी के चलते पार्षदों की सुनी नहीं जाती है। इसी वजह से बैठक का बहिष्कार किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता हमसे सवाल करती है कि अभी तक क्या कार्य हुआ। बैठक बहिष्कार में वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह, पार्षद मोठूराम जाट, संजय सैन, राजू शर्मा, सांवरमल, विजय गुप्ता, श्याम सिंह शेखावत, विशम्बर दयाल मेहरा, मिंटू शर्मा, सलोनी देवी, जगदीश ओला राकेश मीणा, प्रियंका अग्रवाल, मणि देवी, मोनिका शर्मा, महेंद्र रैगर, सुनीता जाजोरिया, गिरधारी लाल शर्मा, कुंदनलाल स्वामी, गुल्लाराम यादव, संदीप मीणा, महेंद्र वर्मा, मनोज चावला, झाबर मल स्वामी, मुकेश पटवा, कमला यादव, श्याम सिंह, मुकेश कंवर, राजेंद्र पारीक, शर्मिला देवी, संजू यादव, पिंटू यादव, मीरा देवी, आशा देवी आदि पार्षद मौजूद रहे।

भरतपुर में घना कोहरा छाया, विजिबिलिटी 50 मी. तक रही

वाहन चालकों को दिन में भी लाइट जलानी पड़ी

भरतपुर में नए साल के दूसरे दिन भी घना कोहरा छाया रहा।

भरतपुर, (निसं)। नए साल के दूसरे ही दिन शहर और बाहरी इलाकों में घना कोहरा देखने को मिला। कोहरे के कारण विजिबिलिटी महज 50 मीटर तक रही। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार पर लगाम लग गई। हालत यह थे कि दोपहर तक लोग वाहनों की लाइट जलाकर अपने वाहन चलाने को मजबूर थे।

■ लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया

सुबह से ही गलन ने लोगों का जीवन बेहाल कर दिया। लोग सर्दी दूर करने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखाई दिए। नए साल के पहले दिन जिले भर में कड़ाके की धूप निकली थी, जिससे लोगों को एहसास हो गया था कि अगले दिन सुबह घना कोहरा आएगा और हुआ भी वैसा ही। नए साल की शाम होते-होते सर्दी बढ़ गई और रात से ही कोहरा पड़ना शुरू हो गया।

सुबह पूरा शहर घने कोहरे की चादर में छिपा नजर आया। घने कोहरे के चलते गलन भी बढ़ गई। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। सुबह सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। सर्दी के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे थे। सुबह के समय पेड़ों पर ओस की बूंदें भी जमी दिखाई दी। मौसम विभाग ने पहले ही घना कोहरा पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया था। तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक आंका जा रहा है। इससे पहले तापमान 15 डिग्री तक आंका गया था।

ट्रक से चबूतरा टूटने की बात पर हुए विवाद ने साम्प्रदायिक रूप लिया

■ कुछ ग्रामीण चालक घर पहुंचे और वहां घर व वाहनों के साथ तोड़फोड़ की

■ पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने गए ग्रामीणों ने पुलिस पर भी पथराव किया, फरार हुए

उदयपुर, (कासं)। जिले के डबोक थाना क्षेत्र में ट्रक से चबूतरा टूटने की मामूली बात ने साम्प्रदायिक रूप ले लिया और तनाव की स्थिति हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सम्प्रदाय विशेष के ट्रक ड्राइवर के घर पर पहुंच तोड़फोड़ करते हुए वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिए पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है, जब कि इलाके में तनाव बरकरार है ।

जानकारी के अनुसार बाठेडा की सराय स्थित एक गली में प्रेमलाल गौड़ का घर है। संकरी गली में वाहनों के कारण घर के बाहर बना रैंप टूट न जाए, इसलिए प्रेमलाल ने रैंप के आगे कुछ पत्थर भी लगा रखे थे। बीती रात क्षेत्रीय निवासी ड्राइवर आजाद खान ट्रक लेकर गली से गुजरा, इस दौरान ट्रक का पहिया रैंप पर चढा और रैंप टूट गया। इस बात पर आजाद खान और प्रेमलाल में झगड़ा हो गया और मारपीट की नौबत आ गयी। ग्रामीण इकट्ठा होते, इससे पहले आजाद खान वहां से भाग गया। आरोप है कि आजाद ने बीच-बचाव में आए प्रेमलाल के बेटे-बेटी से भी मारपीट की है। सुबह घटनाक्रम का पता चला तो ग्रामीण इकट्ठे हो गए, आजाद की गिरफ्तारी की मांग कर विरोध किया और प्रेमलाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी। इस दौरान कुछ आक्रोशित ग्रामीण आजाद के घर पहुंचे और वहां घर व वाहनों के साथ तोड़फोड़ की। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने गए ग्रामीणों ने पुलिस पर भी पथराव किया और फरार हो गए। पुलिस ने मौके से तोड़फोड़ करने पहुंचे युवाओं के वाहन बाइक जब्त की हैं और 7-8 लड़कों को डिटेन किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के अनुसार मौके पर स्थिति नियंत्रित है, तोड़फोड़ करने वाले कुछ लोगों को डिटेन किया गया है। बीती रात गांव की एक गली में घर के बाहर बना रैंप वहां से गुजर रहे ट्रक के कारण टूट गया था। इस पर ट्रक चालक आजाद और घर मालिक के बीच कहासुनी, झड़प हो गयी थी। सुबह घर मालिक प्रेमलाल ने पुलिस को बीती रात हुए घटनाक्रम की रिपोर्ट दी और आजाद की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस कुछ करती इससे पहले कुछ ग्रामीणों ने आजाद के घर पहुंचकर तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने माहौल शांत किया। पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने पहुंचे युवक वहां से भाग गए, जिनकी गाडियां जब्त की है और कुछ लोगों को डिटेन किया है।

चोरी का डम्पर ट्रोला बरामद, आरोपी फरार

सांभरझील, (निसं)। मौजमाबाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोरी हुए डंपर ट्रोला को महज 24 घंटे में बरामद कर लिया। आरोपियों को पुलिस टीम आने की भनक लगते ही वहां से ट्रोला को छोड़कर फरार हो गये जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया है कि चोरी की घटना को लेकर दयाराम पुत्र ताराचन्द कुमावत निवासी उगरियावास थाना मौजमाबाद ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि मेरे चाचाजी के लड़के मेघराज कुमावत का डम्पर ट्रोला को चालक ने बोराज में सज्जन विहार कॉलोनी में खड़ा किया था। हमारे मुनीम ने फोन किया कि डम्पर गाड़ी नहीं है, जिस पर जाकर देखा तो डम्पर ट्रोला नहीं मिला। उक्त ट्रोला डम्पर को रात्रि में कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। इस रिपार्ट पर अभियोग पंजीबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया गया। चोरी हुए वाहन की बरामदगी हेतु शिवलाल बैरवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू व दीपक खण्डेलवाल, वृत्ताधिकारी दूदू के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मौजमाबाद संजय प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा प्रकरण में चोरी किये गये डम्पर ट्रोला नंबर को केकड़ी सरवाड़ अजमेर रोड़ इलाका थाना हनुमान नगर जिला भीलवाड़ा से बरामद किया।

सु.वि.वि. के कर्मचारियों ने हड़ताल का एलान किया

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार की ओर से बनाये गए राजस्थान कॉन्ट्रेक्च्युअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल-2022 को लागू करने और पूर्व प्रक्रिया एसएफएबी के तहत सेवा विस्तार के आदेश जारी कराने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार से आंदोलन का ऐलान कर दिया। कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष नारायणलाल सालवी ने बताया कि करीब 300 कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और हड़ताल पर रहे। दिनभर नारेबाजी चलती रही। हड़ताल से सभी प्रमुख काम ठप रहे, टीसी माइग्रेशन सहित कई जरूरी कामों के लिए बाहर से आए छात्रों को बहुत परेशानी हुई।

कार तालाब में गिरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप बड़ी तालाब में अनियंत्रित कार जा गिरी। हादसे में उसमें सवार सभी को बाहर निकाल चिकित्सलाय पहुंचाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। शहर के भ्रमण के लिए आए एमपी निवासी आदित्य परिहार, आकाश जयपुर निवासी राजेन्द्र सिंह साथियों के साथ शहर भ्रमण के लिए आए थे, जहां बुधवार सांय बाहुबली हिल से वापस लौट रहे थे, जहां बीच रास्ते में कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी।

अजमेर : चांद दिखाई देने के साथ ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें सालाना उर्स में धार्मिक रस्मों के साथ उर्स की पारंपरिक शुरूआत हो गई, इसके साथ ही दरगाह में चादर पेश करने का सिलसिला शुरू हो गया। गुरुवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ फिल्म उद्योग से जुड़े हुए कलाकारों की ओर से भेजी गई प्रतिनिधियों ने अपने खादिमों के साथ मजार पर चादर पेश कर देश व दुनिया में अमन चैन, भाईचारागी और खुशहाली की दुआ की।

कोटा से लबान तक वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल किया

कोटा, (निसं)। मंडल में अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ टीम

■ 30 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया

परिचालन विभाग के सहयोग से 31 दिसम्बर से वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर रैक का ट्रायल कर रही है। यह ट्रायल वंदे भारत स्लीपर रैक के विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है, जिसमें कपलर फोर्स, एयर सस्पेंशन, ब्रेकिंग सिस्टम, घुमाव ट्रैक पर गति इत्यादि का परीक्षण शामिल है।

कोटा से लबान तक वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की रफ्तार का ट्रायल हुआ।

वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल 31 दिसम्बर को रोहल खुर्द-चौमहला के बीच यात्री के बराबर वजन रखकर लोडेड स्थिति में अधिकतम 130, 140 एवं 150 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से कोटा-नागदा खण्ड पर अप लाइन पर किया गया। एक जनवरी को इस रैक का ट्रायल लोडेड सीरीज के लिए कोटा-नागदा खण्ड पर रोहल खुर्द-चौमहला के बीच 160 किमी प्रति घंटा, रोहल खुर्द-विक्रमगढ़ आलोट के बीच 170 किमी प्रति घंटा एवं रोहल खुर्द से कोटा तक 40 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया गया। वंदे भारत स्लीपर रैक के ट्रायल के तीसरे दिन दो जनवरी को लोडेड अवस्था में कोटा-सवाई माधोपुर खण्ड पर कोटा से लबान 30 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया गया। इस वन्दे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल पूरे जनवरी माह तक आरडीएसओ टीम के निर्देशन में किया जाएगा। इस ट्रायल में के मूवमेंट इंस्पेक्टर सुशील जेठवानी एवं लोको निरिक्षक आर एन मीना ने आरडीएसओ लखनऊ टीम के साथ को-आर्डिनेट किया।

हादसों को न्यौता दे रहे खुले कुएं व बोरवैल, अधिकारी बेपरवाह

हादसों के बाद भी पावटा उपखंड प्रशासन नहीं ले रहा सबक

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र में खुले कुओं व बोरवैल को लेकर प्रशासन बेपरवाह नजर आ रहा है। हादसों के बाद भी पावटा उपखंड प्रशासन सबक नहीं ले रहा है। बावजूद इसके प्रशासन की नींद नहीं टूटी। पटवारी व ग्राम पंचायतें खुले कुओं व बोरवैल को ढकने की थोथी कार्रवाई कर इतिश्री कर लेते हैं। क्षेत्र में कई ऐसी जगह है जहां आज भी खुले कुओं व बोरवैल को ढकने के लिए प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया है, जिसकी वजह से बड़े हादसे हो सकते हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की ओर से जिला प्रशासन को क्षेत्र में खुले कुओं व बोरवैलों को बंद कराने के आदेश दिए थे जो कागजों में सिमटकर रह गए। गौरतलब है कि कोटपुतली-बहरोड जिले के कीरतपुरा में भी ऐसा ही कुछ हुआ था, जिसमें 23 दिसंबर को बोरवैल में गिरी तीन साल की मासूम चेतना जिंदा वापस नहीं आ सकी, नौ दिन के लंबे बचाव अभियान के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। बावजूद इसके खुले कुओं व बोरवैल को ढकने का कोई अभियान तक नहीं चलाया है। अभी भी क्षेत्र में खुले कुएं व बोरवैल हैं जिन से कभी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

वहीं क्षेत्र में कई ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जहां खुले कुओं व बोरवैल का ढकने का आज तक कोई कार्य नहीं किया गया। राजस्व विभाग खुले कुओं व बोरवैल की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। उपखंड प्रशासन सहित कई अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वही खुले पड़े नालों को भी नहीं ढका जा रहा है। नाला खुला होने की वजह से कई हादसे हो चुके हैं। कई मवेशी काल का ग्रास बन चुके हैं। वहीं क्षेत्र में कई जगह खुले कुएं व बोरवेल होने की वजह से हादसों को न्यौता दे रहे हैं।

शाहपुरा जिला बचाने के लिए वकील समुदाय आंदोलन करेगा

शाहपुरा, (निसं)। जिले को बचाने और इसके अस्तित्व की रक्षा के लिए वकीलों ने कमर कस ली है। शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने गुरूवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया। यह कदम उस प्रस्ताव के विरोध में उठाया गया है, जिसमें जिले को राजस्थान सरकार ने खत्म कर दिया है।

■ शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया

शाहपुरा अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष दुर्गालाला राजोरा ने कहा कि जिला हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे खत्म करना न केवल यहां के नागरिकों के अधिकारों का हनन होगा, बल्कि स्थानीय विकास पर भी गहरा असर पड़ेगा। प्रवक्ता दीपक पारीक ने गुरूवार को अदालत परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से मांग की कि जिले को संरक्षित रखा जाए। शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया, तो वे बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे और शाहपुरा जिले के नागरिकों व संस्थाओ को भी इस आंदोलन में शामिल करेंगे। शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने घोषणा की है कि 3 व 4 जनवरी को न्यायीयक कार्य का बहिष्कार कर जिले कि बड़ी बैठक आयोजित कि जायेगी। बैठक में जिले के अन्य अग्रिम संगठनो और सामाजिक कार्यकर्ताओं के शामिल किया जायेगा।

आंदोलन को विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिलने लगे इसके लिये इसको जनचेतना अभियान कि तरह कार्य किया जायेगा। स्थानीय व्यापार मंडल, किसान संगठन और छात्रसंघ को भी इस मुद्दे पर वकील साथ लेकर चलेंगे। राजस्थान उच्च न्यायालय में रिट के लिये भी आवश्यक दस्तावेज जुटाने की तैयारी की जायेगी।

वहीं अधिवक्ताओं ने सरकार से अपील की है कि वे जिले के खत्म करने के निर्णय पर पुनर्विचार करें। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज करती है, तो वकील उठा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिला बचाओ आंदोलन धीरे-धीरे एक जन आंदोलन का रूप स्थापीत करने का आगाज किया। बैठक का संचालन तेजप्रकाश पाठक ने किया व वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोकचन्द नौलखा, अनील शर्मा, संजय हाडा, कन्हैयालाल धाकड़, हितेष शर्मा, अंकीत शर्मा, लालाराम गुर्जर, प्रियेश यादव, गणपत बंजारा, राहुल पारीक, सोहेल खान, आशीष भारद्वाज, कैलाश धाकड़, गजेन्द्र सिंह, कमलेश मुण्डैतिया ने विचार रखे।

एक परिवार के 11 सदस्यों ने देहदान का संकल्प लिया

कोटा, (निसं)। कोटा में नेत्रदान और रक्तदान को लेकर बेहद ही जागरूकता देखने को मिलती है और इसी क्रम में टीम जीवनदाता अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। नई पहल करते हुए उन्होंने एक साथ 11 लोगों ने देहदान का संकल्प पत्र न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शरीर रचना विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रतिमा जायसवाल की उपस्थिति में भरा।

कोटा में सभी देहदानी संकल्प पत्र भरने वालों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

■ 'संभवतः यह प्रदेश का पहला मामला है जब एक साथ एक ही परिवार के 11 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है'

टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक व लायन क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि उनके पिता प्रेमचंद गुप्ता की प्रेरणा से यह कार्य किया गया है और संभवतः यह प्रदेश का पहला मामला है जब एक साथ एक ही परिवार के 11 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसकी अक्षरत पालन की जाएगी और पूरा प्रयास किया जाएगा कि और भी लोग देहदान का संकल्प लें और आगे आएं। डॉ. क्षिप्रा गुप्ता के अनुसार इस अवसर पर सभी देहदानी संकल्प पत्र भरने वालों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। वहीं मेडिकल कॉलेज कोटा की ओर से सभी को प्रशस्ति पत्र व संकल्प पत्र सौंप गए और इस सेवा कार्य की प्रशंसा की। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज कोटा डॉ. संगीता सक्सेना ने कहा कि कोटा में इस तरह का यह पहला मामला है और इतने लोग यदि एक साथ संकल्प पत्र भरकर इसकी पालना करते हैं तो यह बेहद ही सराहनीय कार्य है। इस तरह का कार्य प्रदेश में अब तक देखने को नहीं मिला है। यह लोगों के लिए प्रेरणास्प्रद होगा।

एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रतिमा जायसवाल ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है, इस तरह से यदि जागरुकता आएगी तो मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले एमबीबीएस स्टूडेंटों को बेहद सहायता मिलेगी। मां भारती जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दिनेश विजय ने कहा कि कोटा में शिक्षा के साथ ही सेवा का जज्बा भी देखने को मिलता है और देहदान के क्षेत्र में इतना बड़ा कदम लोगों के लिए उदाहरण बनेगा। इस कार्य को देखकर और भी लोग आगे आएंगे तो मेडिकल के क्षेत्र में नई क्रांति आयेगी। इस अवसर पर एनाटॉमी विभाग के स्टॉफ, गुप्ता परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। देहदान का संकल्प लेने वालों में भुवनेश गुप्ता, शकुंतला गुप्ता, डॉ.क्षिप्रा गुप्ता, रामस्वरूप गुप्ता, गीता गुप्ता, रवींद्र गुप्ता, हेमेंद्र गुप्ता, अनिल कुमार गुप्ता, भूमिका गुप्ता, अमित गुप्ता, अंकित गुप्ता ने देहदान का संकल्प लिया।